बीमा करवाते वक्त बढ़ती महंगाई का रखें ध्यान

जयंत दुआ
सीईओ, बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस

भविष्य में परिवार के बढ़ने वाले खर्चों को देखकर ही तय करें अपने बीमे की रकम

आज के युवा जिंदगी के सपनों को पूरा करने की इच्छा रखते हैं, लेकिन अकसर वे विपरीत हालात के लिए तैयार नहीं होते। कई बार तो उन्हें इस बात का अहसास ही नहीं होता कि पर्याप्त आर्थिक सुरक्षा नहीं होने से उनपर या उनके परिजनों पर क्या बीत सकती है। इन दिनों हर ओर महंगाई की चर्चा है, लेकिन महंगाई और बीमा सुरक्षा की योजना के विषय में अलग-अलग सोचा जाता है, जिससे व्यक्ति के सामने आर्थिक हालात की वास्तविक तस्वीर नहीं उभर पाती। इस संबंध में एक बुनियादी नियम का सहारा लिया जा सकता है, जो कहता है कि आपको निवेश और देनदारी छोड़कर अपनी सालाना आय का करीब 12 गुने के बराबर बीमा कवर लेना चाहिए। साथ ही इसमें आपकी बढ़ती आय और बढ़ती महंगाई को भी ध्यान में रखा जाना जरूरी है, क्योंकि जहां बढ़ती आय जहां आपकी जीवन शैली में बदलाव लाएगी, वहीं बढ़ती महंगाई खपत पर कई तरह से असर डालेगी।

बढ़ती मांगों का रखें ध्यान

जीवन गुजरने के साथ परिवार की जरूरतें और मांग भी बढ़ती है। परिवार के मुखिया को ही इन बढ़ती जरूरतों को पूरा करना होता है। ऐसे में परिवार चलाने वाले व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उसके न रहने पर भी परिवार का गुजारा आराम से चल सके और उनकी जीवनशैली में बदलाव न हो। ऐसी स्थिति में जब तक आप कुछ सालों के लिए एक विशुद्ध बीमा योजना (टर्म प्लान) खरीदते हैं, उस समय निर्णय लेते समय महंगाई को भी ध्यान में रखना चाहिए। आपकी गणना में भविष्य में पैसे के मूल्य की खास अहमियत होनी चाहिए। ऐसे में अपनी बीमा संबंधी जरूरतों का नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाना जरूरी है। अगर आपकी दिलचस्पी लंबी अवधि (20 साल या उससे ज्यादा) या आजीवन बीमा योजना में है, तो भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

क्या होगा महंगाई का असर

ज्यादार लोग बीमा खरीदते समय अक्सर भविष्य में पैसे के मूल्य को नजरअंदाज कर देते हैं। यह सही नहीं है क्योंकि महंगाई के चलते दैनिक जरूरतों से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा सभी का खर्च तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में परिवार की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योजना बनाते समय शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में होने वाले खर्चों की गणना करते समय महंगाई को ध्यान में जरूर रखना चाहिए। बढ़ती हुई महंगाई एक बड़ी चुनौती है क्योंकि इसके चलते आने वाले समय में आपको अपने परिवार की जीवन शैली को बनाए रखने के लिए कही अधिक पैसे खर्च करने पड़ते हैं।

निवेश का महंगाई से रिश्ता

टर्म जीवन बीमा योजना सामान्य तौर पर 15, 20, या 30 साल के लिए होती हैं। आमतौर पर इस तरह की योजनाओं में पूरी अवधि में प्रीमियम तय दर पर देना होता है। यदि महंगाई दर को औसतन 7 प्रतिशत से 9 फीसदी के बीच मान कर चलें, तो तय है कि हर साल क्रय शक्ति में इतनी ही कमी आएगी। दूसरी ओर बीमे के लिए हर महीने आप जो प्रीमियम भरते है वह रुपये के संदर्भ में बराबर रहता है, लेकिन महंगाई की वजह से 10 साल में इसका मूल्य कम हो जाता है। उदाहरण के लिए, आप वर्ष 2011 में जो चीज10 लाख रुपये में खरीदते हैं वह 8 प्रतिशत महंगाई दर के हिसाब से वर्ष 2031 में 45 लाख रुपये में मिलेगा।

बढ़ती टर्म बीमा योजनाएं हैं कारगर समाधान

बढ़ती टर्म बीमा योजना (इनक्रीजिंग टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी) महंगाई के मुताबिक 'सुनिश्चित रकम' में हर साल 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी का विकल्प देती हैं। इससे महंगी होती जीवन शैली के जोखिम से इससे वाजिब लागत में बीमाधारक के परिवार को वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है। अधिकतर कंपनियां नाममात्र के अतिरिक्त शुल्क पर राइडर के तौर पर ज्यादा बीमा का विकल्प देती हैं। साथ ही धूम्रपान नहीं करने जैसी स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने पर भी कुछ कंपनियां इनाम के तौर पर भी ऐसी सहूलियत देती हैं। कुछ योजनाओं में महिलाओं को विशेष छूट दी जाती है। इस सबके बारे में जरूर पता कर लें।